KU Newsletter

March 2026/ Edition12, Vol. 1 फाल्गुन, विक्रम संवत २०८२ www.kuk.ac.in,

कुलाधिपति प्रोफेसर असीम कुमार घोष से कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा की शिष्टाचार भेंट

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने हरियाणा के माननीय राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोण् असीम कुमार घोष के साथ शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुवि कुलगुरु प्रोण् सोमनाथ सचदेवा ने अपनी हाल ही में सम्पन्न जापान यात्रा के संबंध में माननीय राज्यपाल को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जापान में टोक्यो विश्वविद्यालयए ओसाका विश्वविद्यालय क्योटो विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय स्थित हैं तथा भविष्य में शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में आपसी सहयोग और शैक्षणिक आदान.प्रदान की व्यापक संभावनाएं हैं। वहीं भेंट के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आगामी महीनों में प्रस्तावित दीक्षांत समारोह तथा संभावित मुख्य अतिथि के संबंध में भी विचार.विमर्श किया गया। हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षाए शोध एवं अनुसंधान विज्ञान खेल सहित सांस्कृतिक क्षेत्रों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन विश्वविद्यालय को निरंतर प्राप्त होता रहेगा।

कुवि कोर्ट की बैठक में 746 करोड़ 62 लाख 86 हजार रूपये का बजट पारित

कुवि शोधार्थियों को देगा रिसर्च अवार्ड

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में सोमवार को विश्वविद्यालय कोर्ट की 77वीं में बैठक (आनलाइन व ऑफलाइन) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने एवं उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "रिसर्च अवॉर्ड" की शुरुआत की जाएगी, ताकि युवा शोध कर्ताओं को नवाचार, उत्कृष्टता और समाजोपयोगी शोध के लिए सम्मानित एवं प्रेरित किया जा सके।

केयू कोर्ट में विश्वविद्यालय के वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 746 करोड़ 62 लाख 86 हजार रूपये का वार्षिक बजट पारित किया, जिसे पूर्व में गुरुवार को कार्यकारिणी परिषद द्वारा भी अनुमोदित किया गया था। कोर्ट की बैठक में लोक सम्पर्क विभाग द्वारा तैयार की गई वार्षिक रिपोर्ट 2025 को भी पारित किया गया।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने पीपीटी के माध्यम से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की शोध, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व खेल उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन के बाद सबसे उच्चतम ग्रेड ए–प्लस–प्लस यूनिवर्सिटी होने का गौरव प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने देश में सर्वप्रथम एनईपी–2020 को इसके सभी प्रावधानों के साथ लागू किया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को पूरे देश में सर्वप्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी–2020) के प्रभावी एवं पूर्ण क्रियान्वयन के लिए हरियाणा सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'प्लेटिनम अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शैक्षणिक, खेल, संस्कृति एवं शोध के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। एनआईआरएफ रैंकिंग 2025 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय श्रेणी में 35वां स्थान हासिल किया है।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी के तहत् चलाए जा रहे विभिन्न ऑनलाइन प्रोग्राम में 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए प्रबुद्ध शिक्षकगण, कर्मचारीगण अपने–अपने स्तर पर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाहन कर रहे हैं।

इस बैठक में कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पॉल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, प्रो. मोहिन्द्र चांद, प्रो. डीएस राणा, प्रो. संजीव बंसल, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. राजेश्वरी, डॉ. वी.एम, मूर्ति, प्रो. आरके मोदगिल, प्रो. सुनीता सिरोहा, वित्त अधिकारी कंचन बाला, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. उषा रानी, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप–निदेशिका डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. रमेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, डॉ. चेतन शर्मा, डॉ. सुगनबाला, डॉ. पूजा, डॉ. प्रवीन गर्ग, डॉ. सत्यकाम गर्ग, कुलगुरु के ओएसडी पवन रोहिला, उप–कुलसचिव विनोद वर्मा सहित कोर्ट के सदस्य मौजूद थे।

इसके अतिरिक्त बैठक में एमएलए शक्ति रानी शर्मा, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. सुशील कुमार तोमर, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रोहित, डॉ. प्रवीन वत्स, डॉ. सुमन बाला ने आनलाईन भागीदारी की।

290वीं बैठक

कार्यकारिणी परिषद की 290वीं बैठक, 746 करोड़ 62 लाख 86 हजार रूपये का बजट पारित

कुरुक्षेत्र। कुवि कार्यकारिणी परिषद की 290वीं बैठक में वित्त वर्ष 2026–27 के लिए 746 करोड 62 लाख 86 हजार रूपये का बजट पारित किया गया।

बैठक में कुवि की वित्त अधिकारी कंचन बाला द्वारा बजट की रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही कुवि के लोक सम्पर्क विभाग द्वारा तैयार की गई वार्षिक रिपोर्ट–2025 को भी पारित किया गया जिसकी विस्तृत रिपोर्ट लोक सम्पर्क विभाग की उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा ने प्रस्तुत की। बैठक में 30 दिसंबर 2025 को आयोजित कार्यकारी परिषद की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई।

कार्यकारिणी परिषद की बैठक में 14 महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। बैठक में 10 फरवरी 2026 को आयोजित वित्त समिति की बैठक की सिफारिशों पर भी विचार किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं अन्य सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए सोशल मीडिया नीतिएदेशानिर्देश तैयार करने संबंधी समिति की सिफारिशों पर भी चर्चा हुई। परिषद ने संस्थान की गरिमा एवं अनुशासन बनाए रखने हेतु नीति निर्माण की दिशा में सहमति व्यक्त की। बैठक में आईसीआईपीएस (इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंडो–पैसिफिक स्टडीज) के निदेशक के रूप में सेवानिवृत्त डॉ. वी.एन. अत्री के पुनर्नियोजन की अवधि छह माह के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर निर्णय लिया गया। वर्ष 2025–26 के लिए निजी चिकित्सकोंएविशेषज्ञों के पैनल के अनुमोदन तथा परामर्श शुल्क में वृद्धि संबंधी स्थायी समिति की सिफारिशों पर भी चर्चा कर आवश्यक स्वीकृति प्रदान की गई। कार्यकारिणी परिषद की बैठक में अमरनाथ भगत जयराम कन्या महाविद्यालय, सेरधा (कैथल) का नाम बदलकर अमरनाथ भगत जयराम राजकीय कन्या महाविद्यालय, सेरधा (कैथल) करने के प्रस्ताव को भी परिषद ने अनुमोदित किया।

कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा को मिला महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलगुरु का अतिरिक्त कार्यभार

कुरुक्षेत्र। लोकभवन हरियाणा की ओर से जारी अधिसूचना में प्रो. असीम कुमार घोष, राज्यपाल हरियाणा एवं कुलाधिपति, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक ने महत्वपूर्ण आदेश करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलगुरु का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

यह आदेश 21 फरवरी 2026 से प्रभावी होगा और नियमित कुलगुरु की नियुक्ति होने तक लागू रहेगा। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलगुरु का अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने पर हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने उनको महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का कुलगुरु पद का कार्यभार सौंपा है यह उनके लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे एमडीयू विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान उन्नयन और प्रशासनिक पारदर्शिता को और सुदृढ़ करने के लिए पूर्ण समर्पण और निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय को नैक द्वारा सर्वोच्च ए ग्रेड प्राप्त हुआ तथा पूरे भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2020 को सर्वप्रथम प्रभावी रूप से लागू करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने 21 फरवरी को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का अतिरिक्त पद भार संभाला लिया है।

चार युवा वैज्ञानिकों को मिलेगा राजीब गोयल पुरस्कार

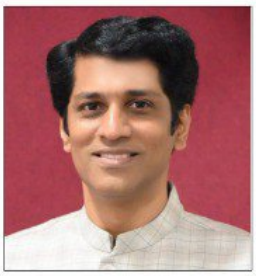

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की गोयल अवार्ड कमेटी ने राजीब गोयल पुरस्कार की घोषणा कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु एवं गोयल अवार्ड आयोजन समिति के चेयरमैन प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मंगलवार को 45 वर्ष से कम आयु के चार प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों को प्रतिष्ठित राजीब गोयल पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की।

इन वैज्ञानिकों ने विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले युवा वैज्ञानिकों में डॉ. गोपीनाथ पैकिरिसामी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टैक्नॉलॉजी, रूड़की (एप्लाइड साइंसेज), डॉ. देबब्रत मैती, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टैक्नॉलॉजी, मुम्बई (केमिकल साइंसेज), डॉ. (सुश्री) दुर्बा पाल, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टैक्नॉलॉजी, रोपड़ (लाइफ साइंसेज) तथा डॉ. स्मराजित कर्माकर, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, हैदराबाद (फिजिकल साइंसेज) शामिल हैं।

इन नामों की घोषणा करते हुए कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा, जो गोयल पुरस्कार आयोजन समिति के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि इन वैज्ञानिकों ने विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए ज्ञान–विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रत्येक राजीव गोयल पुरस्कार में एक पदक, प्रशस्ति–पत्र तथा एक लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की जाती है।

विश्वविद्यालय द्वारा गोयल पुरस्कार के लिए चार वरिष्ठ वैज्ञानिकों के नामों की घोषणा पूर्व में की जा चुकी है। डोनर नामित सदस्य एवं आयोजन समिति के सह–अध्यक्ष प्रो. एस.पी. सिंह ने चयनित वैज्ञानिकों के कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि डॉ. गोपीनाथ पैकिरिसामी ने बायोमेडिकल नैनो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है, जो लक्षित कैंसर उपचार की दिशा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

डॉ. देबब्रत मैती ने ट्रांजिशन मेटल कैटेलिस्ट के माध्यम से नवीन सिंथेटिक पाथवे विकसित किए हैं और उनका शोध विश्व की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुआ है। डॉ. दुर्बा पाल टाइप–2 डायबिटीज पर केंद्रित एक प्रख्यात रोग जीवविज्ञानी हैं। वहीं, स्वर्ण जयंती फेलो डॉ. स्मराजित कर्माकर ने ग्लास फॉर्मेशन पर विशेष ध्यान देते हुए डिसऑर्डर्ड सिस्टम के गुणों की समझ को समृद्ध किया है। गोयल पुरस्कार आयोजन समिति की संयोजक प्रो. अनीता भटनागर ने जानकारी दी कि पुरस्कार वितरण समारोह आगामी मार्च या अप्रैल माह में विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी आठों वैज्ञानिक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर सम्मान ग्रहण करेंगे। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि यह सम्मान युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने तथा शोध उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

गोयल पुरस्कार आयोजन समिति के सदस्य

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु व गोयल अवार्ड आयोजन समिति के चेयरमैन प्रो. सोमनाथ सचदेवा हैं। सह–अध्यक्ष प्रो. एस.पी. सिंह प्रोफेसर एमेरिटस, उपाध्यक्ष प्रोफेसर हरि सिंह प्रोफेसर एमेरिटस, उपाध्यक्ष प्रोफेसर सुनील ढींगरा, डीन, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय व समिति के सदस्य प्रो. एन.के. माटा, प्रोफेसर एमेरिटस, जियोफिजिक्स विभाग के प्रो. दिनेश कुमार, कैमिस्ट्री विभग के प्रो. संजीव अरोड़ा, फिजिक्स विभाग के प्रो. संजीव अग्रवाल, कैमिस्ट्री विभाग की डॉ. संगीता सैनी हैं। जूलोजी विभाग की प्रो. अनिता भटनागर गोयल पुरस्कार आयोजन समिति की संयोजक हैं।

डॉ. सुमित्रा देवी बनी गणित विभाग की अध्यक्ष

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार गणित विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुमित्रा देवी को आगामी 10 मार्च से गणित विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इस नियुक्ति के साथ ही सुमित्रा देवी एकेडमिक कांउसिल तथा फैकल्टी ऑफ साइंस की सदस्य होंगी तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज की चेयरपर्सन भी होंगी। एसोसिएट प्रोफेसर सुमित्रा देवी ने कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे इस दायित्व को पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाएंगी।

सृजन मेरे जीवनानुभवों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है: जिंदर

कुरुक्षेत्र। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में कला एवं भाषा संकाय स्थित गणपति चंद्र गुप्त सेमिनार हॉल में पंजाबी साहित्य सभा, पंजाबी विभाग द्वारा साहित्य सृजन श्रृंखला के अंतर्गत "मैं और मेरी सृजन प्रक्रिया" विषय पर सुप्रसिद्ध कहानीकार जिंदर के साथ एक संवादात्मक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पंजाबी विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह ने जिंदर को आधुनिक पंजाबी कथा साहित्य का एक संवेदनशील और विचारशील हस्ताक्षर बताया। उन्होंने कहा कि जिंदर की कहानियाँ सामाजिक यथार्थ, मानवीय संबंधों और ऐतिहासिक चेतना की गहरी समझ से समृद्ध हैं। मुख्य वक्ता जिंदर ने अपने जीवनानुभवों और रचनात्मक यात्रा के मूलभूत पक्षों पर खुलकर विचार साझा किए। उन्होंने अपने बचपन के सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार उस परिवेश की संवेदनाओं और संघर्षों ने उनके भीतर एक कहानीकार को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि इतिहास, मिथक और स्त्री–पुरुष संबंधों की जटिलताओं से उनकी सृजन प्रक्रिया निरंतर ऊर्जा प्राप्त करती है। हिंदी विभाग की प्रोफेसर पुष्पा रानी ने विद्यार्थियों को उनके अनुशासित जीवन दृष्टिकोण और रचनात्मक प्रतिबद्धता से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. गुरप्रीत सिंह एवं डॉ. लता खेड़ा ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया और इसे विद्यार्थियों के लिए एक सार्थक बौद्धिक अनुभव बताया।

डॉ. राकेश कुमार बने विज्ञान संकाय के डीन

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार कम्प्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार को 10 मार्च, 2026 से विज्ञान संकाय का डीन नियुक्त किया है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इस नियुक्ति के साथ ही प्रो. राकेश कुमार विश्वविद्यालय की कोर्ट तथा अकादमिक काउंसिल के सदस्य भी होंगे। प्रो. राकेश कुमार ने कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे इस दायित्व को पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाएंगे।

। मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन ।

स्किल को निखारने के लिए अभ्यास और धैर्य की आवश्यकता : एंकर फहीम अहमद

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में अटल संचार भवन स्थित जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी ऑडिटोरियम में कॉर्पोरेट स्किल डेवलपमेंट इन मास कम्यूनिकेशन विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। रूसा के सौजन्य से आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके पेशेवर और सामाजिक जीवन के लिए व्यावहारिक रूप से सक्षम बनाना रहा।

संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने सफल आयोजन के लिए समस्त स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को बधाई दी। कार्यशाला के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बेहतर पठन, रचनात्मक सोच और सामाजिक संवाद को सशक्त बनाने के व्यावहारिक सूत्र बताए। समापन सत्र में एक अनूठा प्रयोग करते हुए संस्थान के सेमिनार हॉल को न्यूजरूम में परिवर्तित कर दिया गया। इस अवसर पर दूरदर्शन के एंकर फहीम अहमद और प्रिंट मीडिया से लेकर एआई आधारित कंटेंट तक लंबा अनुभव रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार एवं कंटेंट क्रिएटर निखिल मिश्रा ने विद्यार्थियों को वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप स्क्रिप्ट लेखन और प्रस्तुतीकरण की तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। साथ ही भाषा की शुद्धता, प्रवाह और प्रभाव पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

दूरदर्शन एंकर फहीम अहमद ने कहा कि स्किल को निखारना एक–दो दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह निरंतर अभ्यास और धैर्य की माँग करता है। वरिष्ठ पत्रकार निखिल मिश्रा ने कहा कि मीडिया में जल्दी कुछ करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है प्रमाणिकता और तथ्यात्मक मजबूती। उन्होंने विद्यार्थियों को कंटेंट चयन में विवेकपूर्ण निर्णय लेने का आह्वान करते हुए कहा कि यह स्पष्ट समझ होनी चाहिए कि क्या प्रकाशित करना है और क्या नहीं। इस अवसर पर कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आबिद अली ने बताया कि संस्थान में थ्योरी और प्रैक्टिकल के संतुलन पर विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि विद्यार्थी वास्तविक मीडिया परिवेश के लिए तैयार हो सकें।

सह–संयोजक तपेश किरण व सह–संयोजक रोमा सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. मनदीप सिंह, सह–संयोजक तपेश किरण, सह–संयोजक रोमा सिंह, डॉ. प्रदीप राय, डॉ. रोशन, डॉ. अभिनव, राहुल अरोड़ा, अमित जांगड़ा, सचिन वर्मा, डॉ. सतीश राणा, राकेश कुमार, ऋतु, कंवरदीप सिंह, सुनीता एवं कंचन शर्मा उपस्थित रहे।

। उच्च शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हुए सम्मानित ।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा को मिला आउटस्टेंडिंग वाइस चांसलर ऑफ इंडिया अवार्ड

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा को भारतीय एजुकेशन नेटवर्क द्वारा 07 फरवरी 2026 नई दिल्ली में आयोजित 15वें इंडिया एजुकेशन समिट–2026 में आउटस्टैंडिंग वाइस चांसलर ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

यह प्रतिष्ठित सम्मान भारतीय एजुकेशन नेटवर्क द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचार एवं शैक्षणिक विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस सम्मान को शौभित विश्वविद्यालय के चांसलर कुंवर शेखर विजेंद्र, एआईसीटीई के मुख्य समन्वय अधिकारी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया, ईएसएससीआई के कार्यवाहक प्रमुख सहित देशभर के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षा विशेषज्ञों एवं कुलपतियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

यह सम्मान देशभर से चयनित 15 कुलपतियों को प्रदान किया गया। कुवि के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अवार्ड मिलने पर कहा कि उनकी यह उपलब्धि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और इससे विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा और अधिक सुदृढ़ हुई है।

विश्वविद्यालय परिवार ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा को बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण बताया। समिट के दौरान प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सभी प्रावधानों को देश में सबसे पहले प्रभावी रूप से लागू किया है।

इन विषयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020: दूरदर्शी सुधार या क्रियान्वयन की चुनौती, भारतीय उच्च शिक्षा की पुनर्कल्पना, शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका: उत्पादकता क्रांति या शिक्षण संकट, डिग्री, कौशल एवं रोजगार के बीच अंतराल के कारण तथा एजुकेशन आउटकम को नियंत्रित करने वाले प्रमुख कारक नीति, तकनीक या संस्थान जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

2047 विकसित भारत में युवा उद्यमियों का अहम योगदान होगा : प्रो. वीरेन्द्र पाल

कुरुक्षेत्र। इनक्यूबेशन सेंटर (कुटिक) और कम्युनिटी इनक्यूबेशन सेंटर (सीआईसी) ने स्टार्टअप हरियाणा (उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, हरियाणा सरकार) के सहयोग से यूआईईटी के एमवी सदन में संवेदीकरण और जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेंद्र पाल, ने कहा कि विश्वविद्यालय नवाचार (इनोवेशन) की आधारशिला हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों की मानसिकता को नौकरी खोजने वाले से बदलकर नौकरी देने वाला बनाना है। लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेंद्र पाल ने कहा कि 2047 में विकसित भारत में युवा उद्यमियों का अधिक योगदान होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्टार्टअप को लेकर सभी प्रावधानों को शामिल किया गया है कि इससे हमारे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। डीन इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी व यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील डीगरा ने छात्रों के तकनीकी सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि नवाचार इंजीनियरिंग की ड्राइविंग है।

कुटिक और यूआईईटी के माध्यम से हम छात्रों को वह बुनियादी ढांचा और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्टार्टअप हरियाणा के विशेषज्ञों के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें श्री परसून, सुश्री अनुश्री और सुश्री ईशा शामिल थे, ने एक विशेष तकनीकी सत्र का संचालन किया।

टीम ने हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति 2022 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में छात्र उद्यमियों और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुटिक समन्वयक लेफ्टिनेंट डॉ. अजय जांगड़ा ने कहा कि इस तरह की पहल अकादमिक विचारों को सफल व्यावसायिक उद्यमों में बदलने के लिए सफलता का पहला कदम हैं।

एआईएसएचई के लिए प्रामाणिक एवं त्रुटिरहित आंकड़ों का संकलन अत्यंत आवश्यक: प्रो. वीरेन्द्र पाल

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आर.के. सदन में "एआईएसएचई डेटा गुणवत्ता एवं अनुपालन" विषय पर एक दिवसीय पोस्ट–सर्वे कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (एआईएसएचई) के अंतर्गत डेटा प्रस्तुतिकरण की सटीकता, पारदर्शिता तथा अनुपालन तंत्र को सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल ने किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एआईएसएचई के लिए प्रामाणिक एवं त्रुटिरहित आंकड़ों का संकलन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि सटीक एआईएसएचई रिपोर्टिंग किसी भी संस्थान की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक मजबूती को दर्शाती है तथा राष्ट्रीय स्तर पर नीति–निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशिष्ट अतिथि डॉ. वीणा ने एआईएसएचई पोस्ट–सर्वे प्रक्रिया का अवलोकन विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने पोस्ट–सर्वे जांच, समय–सीमा, आवश्यक दस्तावेजों तथा संस्थागत समन्वयकों की जिम्मेदारियों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

श्री अशोक ने एआईएसएचई प्रस्तुतियों में पाई जाने वाली सामान्य त्रुटियों पर प्रकाश डालते हुए नामांकन आंकड़ों, संकाय विवरण तथा वित्तीय सूचनाओं में देखी जाने वाली विसंगतियों की चर्चा की। उन्होंने भविष्य में त्रुटिरहित डेटा प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक सावधानियों एवं निवारक उपायों की जानकारी दी। आईटी सेल के हेड प्रो. प्रदीप मित्तल ने अनुपालन एवं सत्यापन तंत्र पर विस्तार से चर्चा करते हुए आंतरिक सत्यापन प्रक्रिया, ऑडिट प्रणाली तथा अंतिम रूप से एआईएसएचई पोर्टल पर डाटा अपलोड करने से पूर्व विभागीय अभिलेखों के क्रॉस–चेक के महत्व को रेखांकित किया। वर्षवार संस्थागत अभिलेखों के रख–रखाव की सर्वोत्तम प्रक्रियाएं विषय पर आयोजित सत्र में व्यवस्थित दस्तावेजीकरण, अभिलेखों के डिजिटलीकरण तथा विभागों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में डेटा संकलन सुचारु एवं सटीक रूप से हो सके।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि डेटा गुणवत्ता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रशिक्षण एवं संस्थागत उत्तरदायित्व अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वविद्यालय की पारदर्शिता एवं उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया।

जलवायु परिवर्तन मानव और जीव जंतुओं के लिए घातक : डॉ. अरविंद

कुरुक्षेत्र। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर के ईको क्लब द्वारा "हरियाणा की पक्षी विविधता एवं उसका संरक्षण" विषय पर पर्यावरण विस्तार व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरनमेंटल स्टडीज के सेमिनार हॉल में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मेजर जनरल अरविंद यादव ने बताया कि हर वर्ष सर्दियों के मौसम में अनेक प्रवासी पक्षी दूर–दराज देशों से हरियाणा की आर्द्रभूमियों में आते हैं, जो प्रदेश की पारिस्थितिक समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने चेतावनी दी कि जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक एवं ध्वनि प्रदूषण, कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग तथा अनियोजित शहरीकरण के कारण कई पक्षी प्रजातियां संकट का सामना कर रही हैं।

इंडिया टुडे बेस्ट कॉलेज रैंकिंग 2026 (इंजीनियरिंग–बी.टेक) में केयू शामिल

कुरुक्षेत्र। इंडिया टुडे द्वारा आयोजित बेस्ट कॉलेज रैंकिंग 2026 के अंतर्गत इंजीनियरिंग (बी.टेक) श्रेणी में देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों ने भाग लिया है। इस राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग प्रक्रिया का संचालन मार्केटिंग एंड डेवलपमेंट रिसर्च एसोसिएट्स द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने भी रैंकिंग प्रक्रिया में भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने आवेदन प्रपत्र को ऑनलाइन सबमिट किया और विभाग को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग गुणवत्ता, अनुसंधान, अधोसंरचना एवं प्लेसमेंट के मानकों पर बेहतर स्कोर प्राप्त करेगा।

प्रो. अवनीश शर्मा की ओर से कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा का सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने बताया कि कि इस रैंकिंग में देश की अनेक विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों ने भाग लिया है, जिनमें मेडिकल, इंजीनियरिंग, आर्ट्स, इकोनॉमिक्स एवं मैनेजमेंट जैसे विविध विषयों के संस्थान शामिल हैं।

यह रैंकिंग उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता, शैक्षणिक उत्कृष्टता महत्वपूर्ण मानदंड मानी जाती है।

कला समीक्षा कार्यशाला से समीक्षकों और कलाकारों में समन्वय स्थापित करने का प्रयास : राजू दास

कुरुक्षेत्र। संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था) एवं जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कला समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में अटल संचार भवन स्थित संस्थान के मिनी ऑडिटोरियम में निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

कार्यक्रम में संगीत नाटक अकादमी के सचिव राजू दास ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि अकादमी द्वारा देशभर में कला समीक्षा कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है और यह उसका अठारहवां पड़ाव है।

उन्होंने बताया कि इन कार्यशालाओं के माध्यम से प्रख्यात संगीतकारों, नाटककारों, नृत्यकारों और पत्रकारों को युवा पीढ़ी के साथ संवाद का अवसर प्रदान किया जाता है, ताकि भावी पत्रकार, कला समीक्षक एवं कलाकार संगीत, नाटक और नृत्य की बारीकियों को समझ सकें। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला समीक्षक और कलाकार के बीच समन्वय स्थापित करने का माध्यम बनेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि किसी भी विषय पर लिखने से पहले उसका गहन अध्ययन आवश्यक है, तभी एक सशक्त समीक्षा संभव है।

दिल्ली से आए विजय शंकर मिश्र ने संगीत समीक्षा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कलाकार और समीक्षक तभी एक–दूसरे के पूरक बन सकते हैं जब दोनों अपने अनुभव और संवेदनशीलता के आधार पर कार्य करें। जयपुर से आए डॉ. राजेश कुमार व्यास ने नाटक समीक्षा पर अपने विचार रखते हुए कहा कि नाटक समीक्षकों के लिए भरतमुनि रचित नाट्यशास्त्र का अध्ययन अनिवार्य है, क्योंकि इसे पंचवेद की संज्ञा दी गई है।

लखनऊ से आए आलोक पराड़कर ने कहा कि वर्तमान पत्रकारिता में संगीत, नाटक और नृत्य समीक्षा आधारित लेखों का प्रकाशन पूर्व की तुलना में कम हुआ है, जिसका एक कारण कला समीक्षकों की कमी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कला समीक्षा को अपने करियर के रूप में अपनाएं। दिल्ली से आए डॉ. गौरी शंकर रैणा ने कहा कि कला समीक्षा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कला के माध्यम से ही समाज में घटित घटनाओं का इतिहास लेखन संभव होता है।

उन्होंने विभिन्न नाटकों और ग्रंथों का उदाहरण देते हुए कहा कि किसी भी कला की समीक्षा लिखने से पूर्व उस पर शोध पूर्ण अध्ययन आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से संगीत, नृत्य और पत्रकारिता के विद्यार्थियों को वैचारिक, व्यावहारिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध अनुभव प्राप्त हुआ है।

हरियाणा विधानसभा बजट सत्र–2026 की देखी कार्यवाही

मीडिया के विद्यार्थियों ने विधानसभा से समझी लोकतंत्र की कार्यप्रणाली

शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी और प्रेरणादायक : प्रोफेसर पूनिया

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के पच्चीस सदस्यीय शैक्षणिक दल ने गत शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा, चंडीगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण किया। पच्चीस सदस्यीय शैक्षणिक भ्रमण का नेतृत्व संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मधुदीप और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अभिनव ने संयुक्त रूप से किया। इस शैक्षणिक भ्रमण में एम. ए. जनसंचार द्वितीय वर्ष और चतुर्थ वर्ष के तैइस विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान पच्चीस सदस्यीय ने हरियाणा विधानसभा की दर्शक दिर्घा में बैठकर सदन की लाइव कार्यवाही, देखी जिसमें माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी माननीय विपक्षी विधायकों के विभिन्न विषयों जिनमें बैरोजगारी, फसल गिरदावरी, बुढ़ापा पैंशन, खेल–स्टेडियमों, किसानों की आय, खादों, मंहगाई इत्यादि विषयों पर जवाब दे रहे थे।

सदन की लाइव कार्यवाही देखने के बाद हरियाणा विधानसभा के प्रॉक्टोकाल ऑफिसर संजीव शर्मा ने पच्चीस सदस्यीय शैक्षणिक दल को विधानसभा भवन की संरचना, इतिहास और कार्य प्रणाली, प्रॉक्टोकाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

उन्होंने विद्यार्थियों के सदन संबंधी पूछे गये जिज्ञासु प्रश्नों का विस्तार से जवाब दिया। शैक्षणिक भ्रमण ने मीडिया विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका और जिम्मेदारियों को व्यवहारिक रूप से जानने का अवसर प्रदान किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने थानेसर के माननीय विधायक अशोक अरोड़ा जी (कांग्रेस) और शाहाबाद के माननीय विधायक रामकरण काला जी (कांग्रेस) से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर मीडिया संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र–2026 के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक अनुभव है। उन्होंने कहा कि मीडिया के विद्यार्थियों के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से देखना आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में जिम्मेदार और संवेदनशील पत्रकार के रूप में समाज में अपनी भूमिका निभा सकें। प्रो. पूनिया ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान और जागरूकता विकसित होती है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण संस्थान के विद्यार्थियों ने पूर्व में भी किए है और भविष्य में भी होते रहेंगे क्योंकि संसदयी कार्यप्रणाली को जाना लोकतंत्र के महत्वपूर्ण अंग को जानना है जिससे वे भविष्य में समाज और देशहित में अच्छे पत्रकार बनना है।

इस अवसर पर जशनदीप, निखिल, बासु, सोनू, नमन, कार्तिक, अरविश, भूपेंद्र, वंशिका, ट्विशी, नीरू, रिया, शिवानी, तमन्ना, करीना, निकिता, प्रीति सैनी, मुस्कान, खुशी नंदिनी, ज्योति विद्यार्थीगण प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय वॉलीबॉल टीम ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप 2025–26 में उपविजेता

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की वॉलीबॉल (पुरुष) टीम ने सत्र 2025–26 की ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल (पुरुष) चौम्पियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान (उपविजेता) प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित चौम्पियनशिप मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें देशभर की प्रमुख विश्वविद्यालय टीमों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा एवं कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेंद्र पाल ने भी टीम, कोच एवं प्रबंधन दल को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और इसे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय बताया। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक प्रो. दिनेश सिंह राणा ने टीम को बधाई देते हुए खिलाड़ियों की मेहनत और अनुशासन की सराहना की।

इससे पूर्व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल (पुरुष) चौम्पियनशिप 2025–26 में विजेता रही थी। नॉर्थ जोन में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद टीम ने ऑल इंडिया स्तर पर भी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

टीम कप्तान आदित्य राणा के नेतृत्व में अंकुश, अमित रांता, रजनीश सिंह, रितिक, विशाल एवं मनजीत सिंह ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और निर्णायक मुकाबलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की वॉलीबॉल (पुरुष) टीम का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। विश्वविद्यालय पिछले लगभग बीस वर्षों से नॉर्थ जोन प्रतियोगिताओं में लगातार विजेता रहा है तथा ऑल इंडिया स्तर पर भी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करता रहा है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की मजबूत खेल परंपरा का प्रमाण है।

टीम के कोच राजेश कुमार (वॉलीबॉल कोच, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) एवं टीम मैनेजर डॉ. जितेंद्र कुमार (असिस्टेंट प्रोफेसर) के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।

इतिहास विभाग की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में अजय मैन ऑफ द मैच

कुरुक्षेत्र। कुवि इतिहास विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के खेल परिसर में वार्षिक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दो क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया जिसमें एक ओर एम. ए. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के छात्र व दूसरी ओर छात्राओं का क्रिकेट मैच हुआ। जिसमें दोनों मैचों में प्रथम वर्ष की टीम विजेता रही।

दोनों विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया मैन ऑफ द मैच प्रथम वर्ष के छात्र अजय और वूमन ऑफ द मैच प्रथम वर्ष की छात्राएं अंजली व मुस्कान रहे। इस अवसर पर प्रोफेसर सरवर कुमार चहल, डॉ. गुरप्रीत, डॉ. परवेज आलम, नरदेव एवं विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे

विश्वविद्यालय के उत्थान में शिक्षकों व कर्मचारियों की अहम भूमिका : कुलगुरू

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में एक शिक्षक व दो गैर–शिक्षक कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति अवसर पर प्रशासन की ओर से विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालय के उत्थान में शिक्षकों व कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। शिक्षक व कर्मचारी शिक्षण संस्थान का मजबूत आधार होते हैं जो संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों व कर्मचारियों से औपचारिक बातचीत की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षकों व कर्मचारियों के हितों के लिए सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखेगा तथा भविष्य में भी सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों के अनुभव विश्वविद्यालय के काम आएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय में बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए सभी के सुझाव लिए व उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

इस मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों ने अपने विचार व अनुभव साझा किए व विदाई पार्टी के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार प्रकट किया।

सेवानिवृत्त होने वालों में भूगोल विभाग से सीनियर प्रोफेसर डॉ. एस.पी. कौशिक, परीक्षा शाखा से दफ्तरी कैलाश चन्द्र व वाइस चांसलर कार्यालय से दफ्तरी शेर सिंह शामिल हैं।

इस अवसर पर प्रो. राजेश्वरी, कुटा प्रधान डॉ. जितेन्द्र खटकड़, परीक्षा नियत्रक डॉ. अकेश्वर प्रकाश, लोक सम्पर्क विभाग की उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, कुलगुरु के ओएसडी पवन रोहिला, डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा, कुटिया प्रधान राजवंत कौर, महासचिव रविंद्र तोमर सहित सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिवारजन मौजूद थे।

कुवि में कला का त्रिवेणी संगम

विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की भावना को सुदृढ़ करती है कला प्रदर्शनी: डॉ. अंकेश्वर प्रकाश

कुरुक्षेत्र। ललित कला विभाग में गुरुवार को रचनात्मकता का अद्भुत उत्सव देखने को मिला। विभाग द्वारा आयोजित विशेष कला प्रदर्शनी में एम.एफ.ए. के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों कार्तिक, मुस्कान धीमान तथा "दीक्षा" शीर्षक चित्र श्रृंखला के कलाकारों की सामूहिक कृतियों का भव्य प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि केयू परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. गुरुचरण सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि कार्तिक की मूर्तियां परिपक्वता को दर्शाती हैं, 'दीक्षा' सांस्कृतिक विरासत को संजोती है और मुस्कान की रचनाएं सामाजिक चेतना को जागृत करती हैं। यह संगम वास्तव में अद्भुत है।" उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सृजनात्मक दृष्टि और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

डॉ. गुरुचरण सिंह ने कहा कि ललित कला विभाग उभरते कलाकारों को सशक्त मंच प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शनी कला प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र होने के साथ-साथ लुप्त होती परंपराओं और समकालीन दृष्टिकोण के बीच सेतु का कार्य भी करती है।

कार्तिक की मूर्तियां (अनुभव का दर्पण)

रोहतक के युवा मूर्तिकार कार्तिक ने दैनिक जीवन और परिवेश की झलक अपनी कृतियों में उकेरी। अभिव्यंजक आकृतियों और बनावटदार सतहों के माध्यम से उनकी मूर्तियां व्यक्तिगत स्मृतियों को साझा मानवीय अनुभवों में रूपांतरित करती है।

चित्र प्रदर्शनी "दीक्षा" (परंपरा और आधुनिकता)

इस खंड को पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध कालीघाट शैली को समर्पित किया गया। "पार्टी नाइट" और "ऑटो में यात्रा" जैसी कृतियों के माध्यम से कलाकारों ने पारंपरिक लोककला को आधुनिक विषयों से जोड़ा। गहरे रंगों और प्रकाश-छाया के सूक्ष्म प्रयोग से चित्रों में त्रिआयामी प्रभाव उभर कर आया।

इस अवसर पर संकाय सदस्य, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी आगामी तीन दिनों तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

। सांस्कृतिक गतिविधि ।

चित्रकला प्रदर्शनी विद्यार्थियों को देती है उम्दा मंचः डॉ. प्रीतम सिंह

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में ललित कला विभाग द्वारा गुरुवार को विभाग परिसर में एक चित्रकला एवं कला प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. प्रीतम सिंह, निदेशक, डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्टडीज सेंटर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

उद्घाटन अवसर पर डॉ. प्रीतम सिंह ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, समर्पण और कलात्मक दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियाँ युवा कलाकारों को अपनी प्रतिभा को निखारने और उसे व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने का सशक्त अवसर प्रदान करती हैं।

उन्होंने कहा कि कला केवल सौंदर्य अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज को समझने, सामाजिक मुद्दों को उजागर करने तथा सामाजिक सौहार्द और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय में कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित करने के लिए ललित कला विभाग के प्रयासों की प्रशंसा की। विभागाध्यक्ष डॉ. गुरचरण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नवाचार, नए विचारों के साथ प्रयोग करने तथा अपनी कलाकृतियों को सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत कर आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने बताया कि ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होती हैं। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई विविध चित्रकृतियाँ एवं कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई हैं।

ये कृतियाँ विभिन्न विषयों, शैलियों और तकनीकों का सुंदर प्रतिनिधित्व करती हैं, जो विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता, सौंदर्य बोध तथा समकालीन एवं पारंपरिक विषयों के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाती हैं। इस अवसर पर विभाग के अन्य संकाय सदस्य एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

सभी ने प्रदर्शित कलाकृतियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह प्रदर्शनी 9 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

एनएसएस शिविर में दी विधिक सहायता की महत्वपूर्ण जानकारी

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के नरकातारी गांव में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर के 5वें दिन के शिविर का शुभारंभ करते हुए विधि विभाग की शिक्षिका डॉ. प्रोमिला मेहरा ने विद्यार्थियों को विधिक सहायता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने घरेलू हिंसा अधिनियम की प्रमुख धाराओं को सरल शब्दों में समझाते हुए महिलाओं के अधिकारों, उनकी सुरक्षा तथा उपलब्ध कानूनी उपायों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त उन्होंने महिलाओं से संबंधित कानूनों, वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े कानूनों तथा समाज में इनके प्रति जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कानून से जुड़े प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस इकाई की ओर से डॉ. प्रोमिला मेहरा का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

रीइमैजिनिंग बिजनेस पाथवेज टू इनोवेशन, इंक्लूजन, एंड ग्रोथ' पुस्तक का लोकार्पण

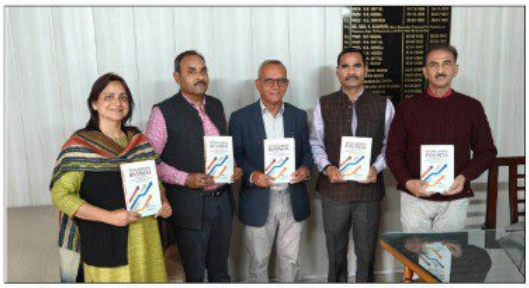

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में 'रीइमैजिनिंग बिजनेस पाथवेज टू इनोवेशन, इंक्लूजन, एंड ग्रोथ' शीर्षक पुस्तक का भव्य लोकार्पण किया गया। यह पुस्तक 8-9 अक्टूबर 2025 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शैक्षणिक निष्कर्षों का संकलित रूप है।

सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वानों एवं शोधार्थियों ने भाग लेकर समकालीन व्यावसायिक चुनौतियों और नवाचारों पर व्यापक विचार-विमर्श किया था। इस पुस्तक का संपादन विभागाध्यक्ष प्रो. महाबीर नरवाल, प्रो. अजय सुनेजा तथा प्रो. सुभाष चंद द्वारा किया गया है। संपादकों ने बताया कि पुस्तक में कुल 19 अध्याय शामिल हैं, जिनमें आधुनिक व्यवसाय प्रबंधन, नवाचार, वैश्विक प्रतिस्पर्धा, डिजिटल परिवर्तन और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शोध-आधारित लेख प्रस्तुत किए गए हैं।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। वक्ताओं ने कहा कि 'रीइमैजिनिंग बिजनेस पाथवेज टू इनोवेशन, इंक्लूजन, एंड ग्रोथ पुस्तक न केवल शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी, बल्कि उद्योग जगत के लिए भी मार्गदर्शक का कार्य करेगी। कार्यक्रम के अंत में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. महावीर नरवाल ने सभी सहयोगियों, संपादकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

आईसीआईसीआई बैंक में केयू के पच्चीस विद्यार्थी चयनित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए बड़े हर्ष का विषय है कि केयू के 25 विद्यार्थियों को चयन प्रतिष्ठित बैंक आईसीआईसीआई में हुआ है। इस अवसर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, लगन और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय का प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र विद्यार्थियों को कौशल युक्त कर उन्हें रोजगार प्रदान करने की ओर निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने भी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने विद्यार्थियों को अपने कार्य के प्रति उम्दा समर्पण, समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाहन करने की मंगलमय कामनाएं भी प्रेषित की।

केयू प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. मोहिंदर सिंह ने बताया कि केयू में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में विभिन्न संकायों के लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें लिखित परीक्षा के बाद 55 विद्यार्थी अंतिम साक्षात्कार में पहुंचे और उनमें से 25 विद्यार्थी चयनित किये गए।इनमे आईआईएचएस के 10, यूआईईटी के 8 तथा आईएमएस के कुल 7 विद्यार्थी शामिल हैं जिन्हें 5 लाख रुपए का सालाना पैकेज दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान आईसीआईसीआई बैंक की ओर से वरिष्ठ अधिकारी कैलाश शर्मा, सन्नी कवातरा तथा एचआर मैनेजर ईशा ने बैंक की कार्य संस्कृति, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, करियर उन्नति के अवसरों तथा प्रदर्शन आधारित पदोन्नति प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस मौके पर केयू डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, केयूसीटीईआई के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. जसविन्दर कुमार ने भी विद्यार्थियों के चयन पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की।

इस प्लेसमेंट ड्राइव में प्रो. रमेश दलाल, डॉ. राजन शर्मा, डॉ. जयकिशन सहित डॉ. संगीता धीर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

25 चयनित विद्यार्थी – बैंक आईसीआईसीआई में चयनित विद्यार्थियों में कुमकुम जैन, यश सैनी, रितू यादव, भावना, अनुभव धीमान, साहिल शर्मा, दीक्षा अहलावत, मनदीप कौर, रवि, मोनिका ढिल्लो, मेघा गर्ग, रानी बरखोदिया, केशव खुराना, नैना, जसनप्रीत कौर, कोमल, तृशा शर्मा, पार्शदीप, हरजीत कौर, जसप्रीत कौर, अमन सिंह, मन्नत बेंस, हरवीत कौर, सृष्टि शर्मा व शिया डहल शामिल हैं।

रोस्ट्रम 2025–2026

विचार बोले, नेतृत्व उभरा : रोस्ट्रम 2025–26 का सफल प्रथम चरण

कुरुक्षेत्र। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (यूएसएम), में रोस्ट्रम राउंड–1 का सफलतापूर्वक आयोजन सेमिनार हॉल में किया गया। यह कार्यक्रम यूएसएम के अध्यक्ष प्रो. अनिल मित्तल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सार्वजनिक वक्तृत्व कौशल, तार्किक चिंतन, बौद्धिक अभिव्यक्ति तथा आत्मविश्वास का विकास करना था, ताकि उन्हें सार्थक संवाद एवं रचनात्मक चर्चा के लिए एक प्रभावी मंच प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. विवेक कुमार, कार्यक्रम समन्वयक के समन्वय में किया गया। रोस्ट्रम राउंड–1 में कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विभिन्न समकालीन व

दार्शनिक विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में लगभग 102 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही, जो विद्यार्थियों के उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता को दर्शाती है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो. निर्मला चौधरी एवं डॉ. अजय सोलखे शामिल रहे। प्रतियोगिता में एमबीए अंतिम वर्ष की छात्रा ख्वाइश ने "विज्ञान और अध्यात्म" विषय पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एमबीए प्रीवियस वर्ष की छात्रा भूमि ने "भगवद गीतारू आधुनिक जीवन के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण" विषय पर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि एमबीए अंतिम वर्ष की छात्रा यशिका महाजन ने "जब महिलाएँ आगे बढ़ती हैं, तब भारत आगे बढ़ता है" विषय पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाती हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

अर्थशास्त्र : सिमरन ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

अर्थशास्त्र विभाग में रोस्ट्रम प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया।

प्रतियोगिता में छात्रों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय रही और सभी प्रतिभागियों ने अपने–अपने विचार प्रभावशाली एवं तार्किक ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में एम.ए. अर्थशास्त्र अंतिम वर्ष की छात्रा सिमरन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा रजनी ने द्वितीय स्थान तथा एम.ए. प्रथम वर्ष की ही छात्रा लावण्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम की समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) डॉ. प्रिया शर्मा (अर्थशास्त्र विभाग) रहीं। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. निधि, विनय तथा आशीष (अर्थशास्त्र विभाग) द्वारा किया गया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के विषय–वस्तु, प्रस्तुति शैली, आत्मविश्वास एवं विचारों की स्पष्टता के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन

इतिहास : प्रीति ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास एवं वाक् कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रोस्ट्रम प्रतियोगिता के प्रथम राउंड का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रीति (एम.ए. फाइनल) ने प्रथम पुरस्कार, नीतू (एम. ए. फाइनल) ने द्वितीय पुरस्कार तथा मानसी (एम.ए. प्रथम वर्ष) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. धर्मबीर, विभागाध्यक्ष तथा डॉ. सरवर कुमार चहल ने निभाई। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विजेंद्र सिंह ढुल रहे। इस अवसर पर डॉ. श्वेता कश्यप, विभाग के शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। इतिहास विभाग के प्राध्यापकों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए उनके प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण की सराहना की।

पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग : प्रभजोत ने पाया प्रथम स्थान

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा परिसर में वार्षिक 'रोस्ट्रम 2025–2026 (प्रथम चरण)' का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. मोहिंदर चंद के उद्घाटन भाषण से हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया तथा पेशेवर विकास में सार्वजनिक रूप से बोलने के कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दिनेश धनखड़ ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के उद्देश्यों से अवगत कराया और नियमों व दिशा–निर्देशों को विस्तार से समझाया। इसके बाद विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का निष्पक्ष एवं प्रभावी मूल्यांकन शिक्षक निर्णायकों डॉ. सुरजीत कुमार और डॉ. महेश कुमार तथा छात्र निर्णायक श्री सुनील कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन सुश्री सुरभि जांगड़ा ने किया। प्रतियोगिता में प्रभजोत कौर (एमटीटीएम) ने "जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, भारत आगे बढ़ता है" विषय पर प्रभावशाली भाषण देकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

द्वितीय पुरस्कार अंशुल (बीएमएस–इवेंट मैनेजमेंट) को "भगवद्गीताः आधुनिक जीवन के लिए एक व्यवहारिक दृष्टिकोण" विषय पर विचारोत्तेजक भाषण के लिए प्रदान किया गया। तृतीय पुरस्कार अरुणिमा (एमएचएमसीटी) को "जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, भारत आगे बढ़ता है" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए मिला। इस अवसर पर प्रो. रवि भूषण कुमार, मंजीत सिंह, गौरव सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

आईटीटीआर : कोमलप्रीत कौर विजेता

शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीटीआर), द्वारा रोस्ट्रम स्टेज–1 (2024–25)' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड., एम.एड. तथा आईटीईपी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने 'कौशल भारत अभियान', 'भगवद्गीताः आधुनिक जीवन के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण, 'समर्थ नारी, सशक्त भारत' जैसे विषयों पर अपने विचार सार्वजनिक भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किए। रोस्ट्रम–1 (2025–26) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्रा कोमल प्रीत कौर ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान आईटीईपी के छात्र ने भारत ने हासिल किया तथा तीसरा स्थान ब्रह्म जया ने प्राप्त किया। । प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं आईटीईपी के विद्यार्थियों ने भाषण, विचार अभिव्यक्ति और प्रस्तुतीकरण कौशल के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया

मीडिया संस्थान : यूजी लेवल पर प्रगति प्रथम, पीजी लेवल पर मनदीप बिश्नाई प्रथम

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी ऑडोटोरियम में रोस्ट्रम–2025–2026 राउंड–1 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में निणार्यक मंडल की भूमिका संस्थान की अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. रोशन मस्ताना, रिसर्च स्कॉलर रविना, और रोहित कुमार ने निभाई। रोस्ट्रम–2025–2026 राउंड–1 प्रतियोगिता में संस्थान की नंदिनी, प्राची, हरमन, प्रार्शव, प्राची, मानसी, प्रगति, ज्योति, सिमरन, अर्जुन सिंह, नमन कुमार, रजत, वासू, गुगुन राजपूत, इत्यादि विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यकम का संचालन एम.ए. फाइन के विद्यार्थी अर्जून सिंह और एम.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा गुगुन राजपूत ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यकम्र में निणार्यक मंडल ने बी.एस.सी. मल्टीमीडिया की द्वितीय वर्ष की छात्रा प्राकृति प्रथम, बी.ए.एम.सी. द्वितीय वर्ष की छात्रा प्राची द्वितीय स्थान, बी.ए.एम.सी. द्वितीय वर्ष के छात्र हर्ष को तृतीय स्थान पर घोषित किया। एम.ए. मनदीप बिश्नोई प्रथम स्थान, एम.ए.जनसंचार के फाइनल वर्ष के अुर्जन सिंह, एम.एस.सी. द्वितीय वर्ष की सिमरन तृतीय स्थान मिला।

रेडियो एंड एआई : विद्यार्थियों में रचानात्मता और कौशल विकसित करना मुख्य उदेश्य

कुरुक्षेत्र। अटल संचार भवन स्थित जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी ऑडिटोरियम में श्रेडियो एंड एआईश विषय पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर रेडियो जॉकी, एड मैड तथा रेडियो डबिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। निर्णायक मंडल की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मधुदीप सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अभिनव तथा असिस्टेंट प्रोफेसर गौरव कुमार ने निभाई।

रेडियो जॉकी प्रतियोगिता में बीएमसी द्वितीय वर्ष के हर्ष, प्रार्शव, अनुशंका, यशयशविनी, शिवानी शुक्लाय बीएमसी चतुर्थ सेमेस्टर की मानसी, आस्था बिश्नोई, ज्योति, नंदिनीय एमए चतुर्थ सेमेस्टर के अर्जुन सिंह तथा एमएसरी द्वितीय सेमेस्टर की अंजू ने भाग लिया।

एड मैड प्रतियोगिता में मानसी टीम, साक्षी टीम, अर्जुन टीम तथा नंदिनी टीम ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं। वहीं रेडियो डबिंग प्रतियोगिता में

बीएएमसी फाइनल सेमेस्टर की अनमोल, एमएससी द्वितीय सेमेस्टर के तेजवीर, सिमरन और साक्षी ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्थान के एक्टिविटी इंचार्ज एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आबिद अली ने कहा कि श्रेडियो एंड एआईश विषय पर आयोजित इन प्रतियोगिताओं का उदेश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का विकास करना है। कार्यक्रम का सफल संचालन एमए जनसंचार अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों वंशिका, अर्जुन, आयुषी, ट्विशी, अंशुमान, सौरभ, लक्ष्य बंसल, नैंसी दहिया, निखिल और दिवाकर ने किया।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अंहकारी दृष्टिकोण आत्मविनाश की ओर ले जाता है...

कुरुक्षेत्र। मनुष्य प्रकृति का हिस्सा है, स्वामी नहींष प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा ष्जैव विविधता संरक्षण से ही सुरक्षित होगा भविष्यष प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुवि के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में ष्इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोडायवर्सिटी एंड क्लाइमेट चेंजरू चौलेंजेज एंड मैनेजमेंटष विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में देश–विदेश के प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

उद्घाटन सत्र में हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल के चेयरमैन प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक भौतिकवादी समाज ने प्रकृति को केवल संसाधनों के भंडार के रूप में देखना शुरू कर दिया है, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का क्षरण, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानव–केंद्रित और अहंकारी दृष्टिकोण अंततः आत्म–विनाश की ओर ले जाता है। यदि मानव सभ्यता को सुरक्षित भविष्य चाहिए, तो प्रकृति के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि साझेदारी और सह–अस्तित्व का मार्ग अपनाना होगा।

अध्यक्षीय संबोधन में कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन अलग–अलग चुनौतियाँ नहीं, बल्कि एक–दूसरे से गहराई से जुड़े वैश्विक संकट हैं। वनों, आर्द्रभूमियों, घासभूमियों और महासागरों जैसे पारिस्थितिक तंत्र जलवायु संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने चेताया कि वनों की कटाई, प्रदूषण और संसाधनों के अत्यधिक दोहन से पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ रहा है, जिसका सीधा प्रभाव मानव जीवन, कृषि व्यवस्था और वन्य जीवन पर पड़ रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रतिवर्ष कम से कम एक पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

कुवि ने 37 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परीक्षा शाखा द्वारा दिसंबर 2025 एवं जून 2025 सत्र की कुल 30 परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि घोषित परिण ामों में बी.वॉक इन हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट प्रथम सेमेस्टर, एम.ए. (शिक्षा) तृतीय सेमेस्टर, एम.एससी. प्रिंटिंग ग्राफिक्स एंड पैकेजिंग प्रथम सेमेस्टर, बी.एड. (विशेष शिक्षा) प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर, एम.एड. (विशेष शिक्षा) प्रथम सेमेस्टर, शास्त्री पंचम सेमेस्टर, एम.ए. (दर्शनशास्त्र) तृतीय सेमेस्टर, बीबीए पंचम सेमेस्टर, बी.वॉक इन हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट (पुनः परीक्षा) प्रथम सेमेस्टर दिसंबर 2025 की परीक्षाएं शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त बी.कॉम पंचम सेमेस्टर, बी.ए. पंचम सेमेस्टर, एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, एम.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर, एमएएमसी चतुर्थ सेमेस्टर, बी.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर, एमसीए चतुर्थ सेमेस्टर, डिप्लोमा इन डेटा एनालिटिक्स प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर, एमबीए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर, जर्मन भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, डिप्लोमा इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर, डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर, फ्रेंच भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, एमसीए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर, एम.ए. मास कम्युनिकेशन प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर, एम.कॉम प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर, एम.ए. (राजनीति विज्ञान) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर तथा बी.कॉम प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर (ऑनलाइन डीडीई) जून 2025 की परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि दिसम्बर 2025 में आयोजित बी.कॉम. पाँचवें सेमेस्टर (री–अपीयर), एम.ए. (दर्शनशास्त्र) तृतीय सेमेस्टर, बी.एड. (विशेष शिक्षा) तृतीय सेमेस्टर, एम.एड. (विशेष शिक्षा) प्रथम सेमेस्टर, एम.एससी. (प्रिंटिंग ग्राफिक्स एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी) प्रथम सेमेस्टर, शास्त्री पाँचवाँ सेमेस्टर तथा बी.एड. (विशेष शिक्षा) प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

केयू की पीएचडी प्रवेश हेतु द्वितीय चरण के आवेदन आमंत्रित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025 एवं 26 के लिए पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के द्वितीय चरण के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉण् अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि फुल टाइम पीएचण्डीण् कार्यक्रम में प्रवेश वैध नेट, गेट, जीपैट के आधार पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन विषयों में यूजीसी द्वारा नेट आयोजित नहीं किया जाता है : जैसे फार्मेसीए मैकेनिकल इंजीनियरिंगए इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंगए इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंगए होटल मैनेजमेंट आदिए उनमें प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला दिया जाएगा। पार्ट टाइम पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश भी प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा।

कैंपस डायरी

डॉ. संदीप कुमार व डॉ. महेन्द्र कुमार चुने गए एकेडमिक काउंसिल के सदस्य

कोर्ट की बैठक में सर्वसम्मति से डॉ. संदीप कुमार व डॉ. महेन्द्र कुमार को एकेडमिक काउंसिल का सदस्य चुना गया व इसके साथ ही बैठक में कोर्ट के नए सदस्यों का स्वागत भी किया गया। दोनों शिक्षाविदों के चयन पर सदन में उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके शैक्षणिक अनुभव, शोध दृष्टि और प्रशासनिक समझ से विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता को नई दिशा मिलेगी।

कुवि कोर्ट बैठक में विश्वविद्यालय की वर्ष 2025 की वार्षिक रिपोर्ट पारित

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में सोमवार को विश्वविद्यालय की कोर्ट की बैठक में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की वर्ष 2025 की वार्षिक रिपोर्ट पारित की गई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लोक सम्पर्क विभाग की ओर से तैयार की गई 450 पृष्ठों की वार्षिक रिपोर्ट में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, शोध, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में रही उपलब्धियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा व कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने इसके लिए लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उपनिदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा व उनकी टीम को बध ाई देते हुए कहा कि वार्षिक रिपोर्ट विश्वविद्यालय में वर्ष भर हुई गतिविधियों का आईना है। हर वर्ष की तरह लोक सम्पर्क विभाग व प्रैस मैनेजरध्इंचार्ज रामेश्वर सैनी की टीम ने इसे निर्धारित समयावधि में तैयार करवाया है।

चार दिवसीय थिएटर व डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण आरंभ होगा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत केयू फिल्म एसोसिएशन की सत्र 2025–26 की वार्षिक बजट बैठक कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कमेटी रूम में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रंगमंच और फिल्म निर्माण की गहराई से परिचित कराने के उद्देश्य से चार दिवसीय थिएटर व डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बैठक में विद्यार्थियों सहित शिक्षकों के लिए डिजिटल कंटेंट निर्माण कार्यशाला आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। मुख्य एजेंडा के अंतर्गत सत्र 2025–26 के लिए केयू फिल्म एसोसिएशन के बजट अनुमानों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, प्रो. ए.आर चौधरी, प्राक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. विवेक चावला, प्रो. रीटा, प्रो. अनिता दुआ, प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. कुसुमलता, डॉ. गुरचरण सिंह, श्रवण गुप्ता मौजूद रहे।

महात्मा गांधी एआईएस कोचिंग संस्थान में यूजीसी के लिए निःशुल्क कोचिंग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन एवं दिशा–निर्देशानुसार केयू महात्मा गांधी एआईएस कोचिंग संस्थान में यूजीसी नेट पेपर प्रथम के लिए अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क ऑफलाइन कोचिंग–सह–परामर्श कक्षाएं 16 फरवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक आयोजित होंगी। यह जानकारी देते हुए कोचिंग संस्थान के निदेशक प्रो. जोगिन्द्र सिंह ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी गूगल फार्म लिंक ीजजचरूध्धवितउे.हसम्ध्झअुतदईफतटॅर7 |8 पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम के संचालन हेतु न्यूनतम 25 अभ्यर्थियों के नामांकन आवश्यक है वहीं अधिकतम 40 विद्यार्थियों को इसमें प्रवेश दिया जाएगा।

प्रो महा सिंह पूनिया रहेंगे आईएमसीएमटी के निदेशक, कार्यभार बढ़ाया गया

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार हिंदी विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज के प्रोफेसर डॉ. महा सिंह पूनिया के इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी (आईएमसीएमटी) के निदेशक पद का कार्यकाल 5 फरवरी से आगामी एक वर्ष के लिए बढाया गया है। यह दायित्व वे अपने नियमित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यो के अतिरिक्त निभाएंगे। आईएमसीएमटी निदेशक प्रो. महा सिंह पूनिया ने उन्हें पुनः यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने पर कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

यूएसएम में पाँच दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स कार्यशाला से प्रभारी कौशल लाना

यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा सेंटर ऑफ कंटीन्यूइंग एजुकेशन के सहयोग से रूसा प्रोजेक्ट सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित पाँच दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स कार्यशाला के तीसरे दिन का आयोजन फैकल्टी लाउंज में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों की पेशेवर दक्षताओं, संचार कौशल तथा कार्यस्थल की तैयारी को सुदृढ़ करना है। प्रातः सत्र में सॉफ्ट स्किल्स विशेषज्ञ डॉ. आकाश चंद ने प्रभावी संचार, अपेक्षा प्रबंधन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं संकट प्रबंधन जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। समूह चर्चा और मॉक इंटरव्यू के माध्यम से छात्रों के आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को विकसित किया गया। दोपहर सत्र में कॉरपोरेट ट्रेनर डॉ. प्राची कपिल ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सुनने के कौशल के महत्व को समझाया तथा वर्कप्लेस और डाइनिंग एटिकेट पर व्यावहारिक जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. सलोनी पी. दीवान एवं डॉ. उत्कर्ष मंगल ने सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

कुवि कार्यकारिणी परिषद के चुनाव में डॉ. हरविन्द्र सिंह लौंगोवाल विजयी

कार्यकारिणी परिषद के गुरुवार को केयू डॉ. आरके सदन में हुए चुनाव में 89 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इस चुनाव में डॉ. हरविन्द्र सिंह लौंगोवाल को 67 मत मिले एवं उनकी प्रतिद्व ंदी डॉ. मीनाक्षी सुहाग को 20 मत मिले तथा 02 मत रद्द हुए। चुनावी जीत पर डॉ. हरविन्द्र सिंह लौंगोवाल ने सभी मतदाताओं का धन्यवाद किया एवं सभी को साथ लेकर चलने की बात कही। चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी एवं केयू उपकुलसचिव डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि कुवि कार्यकारिणी परिषद के चुनाव में एसोसिएट प्रोफेसर कोटे से डॉ. मनीषा संधू का सर्वसम्मति से चुनाव हो चुका है और इसी के साथ ही कोर्ट सदस्यों में डॉ. पूजा, डॉ. राम बिचार, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. संदीप कुमार और डॉ. सुमन बाला निर्विरोध चुने गए। इस अवसर पर डॉ. गुरचरण सिंह, डॉ. गुरप्रीत सिंह, डॉ. वीर विकास व डॉ. सोहन लाल मौजूद रहे।

आज की नारी टेक्नोलॉजी से रोजगार की ओर : प्रोफेसर रीटा

महिला प्रकोष्ठ एवं वाणिज्य विभाग (आई.आई.एच.एस.) नवीन जिंदल फाउंडेशन, निमाया एवं पैप्सिको के संयुक्त तत्वाधान से बिकम ए जेन ए.आई. रेडी नारी विषय पर एक दिवसीय संवाद सत्र का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ करते हुए आईआईएचएस की प्राचार्या प्रो. रीटा दलाल ने कहा कि आज की नारी जो टेक्नोलॉजी से डरती नहीं, उसे अपने करियर, बिजनेस और रोजमर्रा की जिंदगी में स्मार्ट तरीके से इस्तेमाल करती है। तकनीकी सत्र में निमाया फाउंडेशन से वैष्णवी, मालविका नायर व सरिता तथा पेप्सिको से आशी बत्रा और कनुप्रिया एआई की उपयोगी जानकारी छात्राओं से साझा की। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा प्रो. पूनम कुमारी जी ने नवीन जिंदल फाउंडेशन, निमाया के सह–संस्थापक नव्या नन्दा तथा सम्यक चक्रवर्ती एवं पेरिस्को के अधिकारियों का इस सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला डॉ. विनीत कुमार, डॉ. वन्दना शर्मा और वाणिज्य विभाग से प्रो. जसविन्द्र सिंह, डॉ. स्नेहलता, डॉ. सुभाषचंद्र एवं डॉ. वैभव उपस्थित रहे।

प्रतियोगी परीक्षाओं की सही जानकारी से विद्यार्थी में उचित मार्गदर्शन : डॉ. धर्मबीर

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एव मार्गदर्शन केंद्र द्वारा केयू इतिहास विभाग में विद्यार्थियों को यूपीएससी, केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों में नौकरी के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं, हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन, केन्द्रीय स्टाफ सेलेक्शन कमीशन तथा हरियाणा स्टाफ सेलेक्शनी कमीशन सहित एचटेट आदि परीक्षाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर प्रदीप चोपड़ा, मंडल रोजगार अधि ाकारी तथा राजेश कुमार, करियर काऊंसलर द्वारा प्रार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के बारे में प्रोत्साहित किया। वहीं मंडल रोजगार अधिकारी द्वारा इन सभी प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पद्वति के बारे में बताते हुए इन क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मबीर ने रोजगार केन्द्र का ध न्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की सही जानकारी से विद्यार्थी उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है।

लिटरेरी क्लब विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास में सहायक : डॉ. जिम्मी शर्मा

केयू इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज में लिटरेरी क्लब की ओर से इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर रिसोर्स पर्सन व लिटरेरी क्लब (अंग्रेजी) की कोऑर्डिनेटर डॉ. जिम्मी शर्मा ने कहा कि लिटरेरी क्लब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि साहित्यिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस अवसर पर लिटरेरी क्लब के हिंदी कोऑर्डिनेटर डॉ. रामचंद्र ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि इस इंडक्शन कार्यक्रम में आईआईएचएस के 117 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

स्वदेशी अपनाये और देश को मजबूती दे : डॉ. अजय जागड़ा

गांव नरकातारी में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तीसरे दिन डॉ. अजय जांगडा ने स्वयंसेवकों को स्वदेशी अभियान एवं आंदोलन के बारे में बताते हुए कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग किस प्रकार राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाता है और भारत की वैश्विक मंच पर स्थिति को मजबूत करता है। उन्होंने स्वदेशी के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रीय भावना के विकास पर प्रकाश डाला तथा युवाओं को स्वदेशी उत्पादों के क्षेत्र में उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित किया।

आर.के.सदन में आयोजित एआईएसएवई डेटा गुणवत्ता एवं अनुपालन विषय पर एक दिवसीय पोस्ट–सर्वे कार्यशाला के अवसर पर कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल, विशिष्ट अतिथि डॉ. वीणा, प्रोफेसर राकेश कुमार, प्रोफेसर प्रदीप गित्तल, डॉ. अशोक एवं अन्य प्रबुद्धजन और विद्यार्थीगण उपस्थित।

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित एकदिवसीय कला समीक्षा कार्यशाला के अवसर पर निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली के सचिव राजू दास को स्मृति चिह्न देते हुए साथ में अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित।

केयू परिसर स्थित देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा के सम्मुख उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कुवि कुलगुरू प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, प्रोफेसर महासिंह पूनिया, निदेषक जनसंपर्क विभाग, प्रोफेसर विवेक चावला, निदेषक युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग, डॉ. आनंद सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी एवं अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित।

ललित कला विभाग में आयोजित कला प्रदर्शिनी के अवसर पर प्रोफेसर विवेक चावला, निदेशक युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग, प्रोफेसर गुरशरण, विभागाध्यक्ष, मुख्यातिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए साथ में अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित।

ललित कला विभाग में चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन केंद्र के असिस्टेंट डायरेक्टर, डॉ. प्रीतम सिंह और प्रोफेसर डॉ. गुरचरण सिंह विभागध्यक्ष, विभाग एवं विद्यार्थिगण।

संगीत एवं नृत्य कला विभाग में महान गायक लता मंगेशकर की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक शर्मा, प्रोफेसर कृष्णादेवी, डॉ. पुरूषोत्तम, डॉ. दीपक शर्मा एवं अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित।

नशा मुक्ति रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करती हुई प्रोफेसर वनीता ढींगरा।

पंजाबी विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह को उनके पंजाबी साहित्य में दिए गए अमूल्य योगदान पर डॉ. अमरजीत सिंह कांग पुरस्कार से सम्मानित करते हुए अकादमी के सदस्यगण।

विधि विभाग में लॉ फेस्ट के दौरान "अभ्युदय 2026" ब्रोशर का विमोचन करते हुए प्रोफेसर राकेश कुमार, प्रोफेसर प्रीति जैन एवं अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित।

पर्यावरण विज्ञान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में विद्या भारती (उत्तर क्षेत्र) के संगठन मंत्री विजय नड्डा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी, कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल, प्रो. परमेश कुमार एवं अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित।

कुवि के खेल प्रांगण में अंतर– महाविद्यालय हैंडबाल पुरूष प्रतियोगिता के अवसर पर एस.डी. कॉलेज अंबाला की टीम प्रोफेसर दिनेश राणा, खेल निदेशक एवं अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित।

Editor. Dr. (Prof.) Maha Singh Poonia, Director, INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION AND MEDIA TECHNOLOGY, KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA, Editorial Committee : Dr. Abhinav Kataria, Asst. Prof., Dr. Tapesh Kiran, Asst. Prof., Dr. Pardeep Rai, Asst Prof., Mr. Rahul Arors, Asst. Prof., Mr. Amit Jangra, Asst. Prof., Designer : Archish BAJMC 4th Semester, IMCMT, Printed by : KUK Press Published By The Registrar, Kurukshetra University, Kurukshetra, E-mail id- newsletter@kuk.ac.an